श्री जवाहरलाल नेहरू : अब इस मामले में कोई गला दबा कर किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता । उनके सामने बहुत अदब से बातें पेश की जाती हैं कि वे उनको स्वीकार करें । कुछ स्वीकार करते हैं और बाकी आम तौर से देश कहते हैं कि यह बहुत अच्छी चीज हैं लेकिन इस सिद्धांत को लोग स्वीकार तो कर लेते हैं । कोई एक देश इसको स्वीकार तो कर लेते हैं लेकिन उस पर अमल नहीं करते तो इससे एक धोखा हो जाता है ।

Shri C. D. Pande: May I know if the countries which have signified their adherence to the tenets of Panchsheel practise the same in the conduct of their internal affairs within their own country?

Shri Jawaharlal Nehru: The tenets of Panchsheel do not refer to internal policies; they refer to external policies.

Shri B. S. Murthy: May I know what steps are being taken to popularise the ideal of Panchsheel in all the countries, whether any pamphlets have been printed and given in other languages?

Shri Jawaharlal Nehru: In some languages various pamphlets have been distributed.

मधुमक्खी-पालन

*६७६. **श्री भक्त दर्शन** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) काश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल और आसाम के हिमालय प्रदेशों में मधुमक्खी-पालन और शहद-उद्योग के विकास के लिये अब तक क्या कार्यवाही की गई है; और

(ख) इन प्रयत्नों में कहां तक सफलता मिली है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) तथा (ख). अ० भा० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड और उसकी जगह बने अ० भा० खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन ने ६ राज्यों में क्षेत्रीय कार्यालय, उपकेन्द्र तथा आदर्श मधुमक्खी घर खोले हैं । सभा की मेज पर दो विवरण रखे जाते हैं जिनमें उपकेन्द्रों और मधुमक्खी घर स्थापित करने में हुई प्रगति और इन राज्यों के कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्पादित शहद का परिणाम तथा मधुमक्खि पालकों की संख्या दी गयी है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १] ।

Some Hon. Members: In English also.

Shri Kanungo: (a) and (b). The All-India Khadi and Village Industries Board, and its successor the Khadi and Village Industries Commission have set up area-offices, sub-stations and model apiaries in the six States. Two tables indicating the progress regarding establishment of sub-stations and apiaries, production of honey and number of bee-keepers covered by the programme in these States are laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, annexure No. 1]

श्री भक्त दर्शन : विवरणो को देखने से ज्ञात होता है, कि तीन वर्षों के प्रयत्नों के बावजूद भी इस उद्योग का अभी पूरा विकास नहीं हुआ है, उदाहरणस्वरूप, उत्तर प्रदेश के ५ पर्वतीय जिलों में केवल एक क्षेत्रीय कार्यालय खोला गया है और १० ही उपकेन्द्र हैं, मैं जानना चाहता हूं कि इन में से प्रत्येक जिले में ऐसे उपकेन्द्र खोलने के लिये तथा इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

श्री कानूनगो : इस तरह के केन्द्र हर स्थान पर नहीं खोले जा सकते हैं क्योंकि इसके लिये एक विशेष टेमपरेचर की आवश्यकता होती है और जहां का टेमपरेचर ६० डिगरी और १०० डिगरी के बीच में होता है वहीं यह मधमक्खियां पाली जा सकती हैं

और उत्तर प्रदेश में इस दिशा में पिछले तीन सालों में काफी प्रगति हो रही है।

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि अब तक इस उद्योग को बढ़ाने के लिये केन्द्रीय सरकार ने कितना धन व्यय किया है और राज्य सरकारें उस में कितना सहयोग दे रही हैं।

श्री कानूनगो : खादी बोर्ड की ओर से करेंट ईयर में बी कीपिंग के लिये आसाम में ५८२० रुपये, पंजाब में २५५८० रुपये, उत्तर प्रदेश में २८४५० रुपये और वैस्ट बंगाल में २४३३० रुपये खर्च किये गये हैं।

Shri V. P. Nayar: I want to know whether the State Governments are making a systematic collection of wild honey in order to ensure that the contractors do not adulterate it and sell it as adulterated honey?

Shri Kanungo: I have no information about the efforts of the State Governments in this regard.

Shri Bishwanath Roy: May I know whether India is in a position to export honey as a result of the development of bee-keeping?

Shri Kanungo: Our internal consumption requires much more honey than is produced.

Shri Dasappa: May I know whether the Government have made a survey as to the best places where this industry could be rehabilitated?

Shri Kanungo: I have said it is a question not of rehabilitation. The limitations are climatic and availability of forage.

Shri Dasappa: I want to know the places where this industry could be well established.

Mr. Deputy-Speaker: Where suitable temperature prevails and where the conditions are favourable.

Shri Kanungo: And forage is available.

Shri Dasappa: Which are the places?

Shri Kanungo: Mysore is one of them.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमान मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया। इस कार्य में राज्य सरकारों को जिस प्रकार का सहयोग दिया जा रहा है तो क्या राज्य सरकारें भी उसमें कुछ सहायता दे रही हैं।

श्री कानूनगो : कई राज्य सरकारें सहायता दे रही हैं क्योंकि खादी बोर्ड का जो प्रोग्राम होता है उसमें राज्य सरकार भी तो खर्च करती है।

State Trading Corporation of India Limited

*677. **Shri S. C. Samanta:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the State Trading Corporation of India (Private) Limited has experienced transport and other difficulties in the matter of export of certain goods abroad;

(b) if so, what are those goods; and

(c) whether contracts entered into with foreign countries for the export of these goods are to be renewed every year?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) and (b). The export potential of certain bulk commodities like mineral ores, handled by the State Trading Corporation is limited by rail/port capacity available. Some transport difficulties are sometimes experienced in the movement of bulk goods like ores etc.

(c) The Corporation has a large number of contracts for the export of